

[Dr. Subramaniam Swamy]

this right is accorded to the University, I would like the Government to have a complete survey of the history

course in Delhi University and remove the Marxist bias and any other bias that the Minister may discover. Thereafter, I am prepared to allow the introduction of this Bill. (Interruptions) You must give an assurance that you will appoint a committee of which I shall be a member!

श्रीमती शीला कौल : माननीय सदस्य कश्यप जी ने कहा कि खाली दिल्ली यूनिवर्सिटी को क्यों यह मौका दिया जा रहा है कि बाहर के लोगों को एम्प्लॉय कर सकें—आगे को भी देना चाहिए, लेकिन हमारे पास जो प्रार्थना-पत्र आया था, उसमें हमसे खाली दिल्ली के लिए ही कहा गया था अगर लखनऊ के लिए कहते ता मुझे बहुत खुशो होंती, लेकिन उन्होंने दिल्ली के लिए ही मांगा, इसलिए उनको दिल्ली के लिए किया गया।

सुब्रमण्यम स्वामी जी ने कहा कि वहाँ पर जो किर्बावें हैं वे गलत हैं, गलत तो मैं नहीं कह सकूंगी—जो सही नहीं है, उसके बारे में ध्यान दिया जाना चाहिए। मुझे अफसोस है कि उन्होंने यह बात आज कही, पहले कहनी चाहिए थी, अगर पहले कहते तो उस पर पहले ही ध्यान दिया जाता।

अध्यक्ष महोदय : आपके मिनिस्टर बनने के बाद उनको यह बात ध्यान आई है।

DR. SUBRAMANIAM SWAMY: In April, there was a delegation of Delhi University teachers who met the Education Minister.

आपके विभाग के लोग आप से छिना रहे हैं, आपको अपनी बात नहीं बताई जा रही है, वहाँ पर पहले सफाई करें। इसके बारे में ध्यान दीजिए।

श्रीमती शीला कौल : इसके बारे में अवश्य ध्यान देंगे।

डा० सुब्रमण्यम स्वामी : ध्यान देंगे तो ठीक है।

अध्यक्ष महोदय : श्री वॉ कमेटी वाली बात छोड़ दी।

डा० सुब्रमण्यम स्वामी : छोड़ दी।

अध्यक्ष महोदय : मैं तो वाहता था कि छोटी-बड़ी जो भी कमेटी बनाई जाए, उसमें स्वामी जी को मेबर अवश्य बनाया जाए।

डा० सुब्रमण्यम स्वामी : जब उन्हें कहा है कि ध्यान देंगे, तब कमेटी की आवश्यकता अभी नहीं है।

MR. SPEAKER: The question is:

"That leave be granted to introduce a Bill further to amend the Delhi University Act, 1922."

*The motion was adopted.*

SHRIMATI SHEILA KAUL: I introduce the Bill.

STATEMENT RE: DELHI UNIVERSITY (AMENDMENT) ORDINANCE

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRIES OF EDUCATION AND SOCIAL WELFARE (SHRIMATI SHEILA KAUL): I beg to lay on the Table an explanatory statement (Hindi and English versions) giving reasons for immediate legislation by the Delhi University (Amendment) ordinance, 1981.